No. of Printed Pages : 3

MVS–002

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–002 : संहिता एवं ब्राह्मण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी एक भाषा में दे सकते हैं।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×15=60

1. पठित अंश के आधार पर विष्णु के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. सोम-सूर्या विवाह सूक्त की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

3. हिरण्यगर्भ सूक्त की विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. यम-यमी संवाद का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** उदाहरणों द्वारा अक्ष सूक्त की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. पुरुष सूक्त के आधार पर विराट पुरुष के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

7. पठित अंश के आधार पर वैदिक राष्ट्र की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

8. कृमिनाशनम् सूक्त का प्रतिपाद्य क्या है ? सिद्ध कीजिए कि सूर्य की किरणों में कृमिनाशन क्षमता होती है।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. नासदीय सूक्त का सारांश लिखिए।

2. इन्द्र के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

3. दान सूक्त की सामाजिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. उत्तरनारायण सूक्त की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

5. राष्ट्रगान सूक्त का क्या वैशिष्ट्य है ? अपने शब्दों में लिखिए।

6. पृथ्वी की ऐतिहासिक अवधारणा का वर्णन कीजिए।

7. ऐतरेय ब्राह्मण का स्वरूप लिखिए।

8. शुनःशेप आख्यान का सारांश लिखिए।

× × × × × × ×